अब फल बेचने के लिए नहीं ढूंढने पड़ेंगे खरीददार

हमीरपुर के बागबानों को फसल बेचने के लिए नहीं करनी पड़ेगी मशक्कत, व्यापारी खुद गांव-गांव जाकर खरीदेंगे बागबानों के फ्रूट्स

जमीन की बात

मंगलेश कुमार-हमीरपुर

हमीरपुर के बागबानों को अपने फलों को बेचने के लिए मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। फलों के व्यापारी उनके बागीचों से आकर खुद तैयार फसल को खरीदेंगें। इसके लिए उद्यान विभाग हमीरपुर ने अभी से प्रयास शुरू कर दिए हैं, ताकि बागबानों को बगीचों में तैयार फसल के अच्छे दाम मिल सकें। हमीरपुर में एचपी शिवा प्रोजेक्ट के तहत मौसमी व अमरुद की फसल तैयार हो रही है। ऐसे में राष्ट्र स्तर के फल व्यापारियों के साथ एक बैठक उद्यान कार्यालय हमीरपुर में आयोजित की गई। जिसमें काफी संख्या में व्यापारी बाहरी राज्यों से पहुंचे थे। जिला में एचपी शिवा प्रोजेक्ट के तहत वर्ष 2020 में जिला के 20 कलस्टरों पर मौसमी व अमरुद के पौधे लगाए गए थे, जिनमें अब फसल आना शुरू हो गई है। ऐसे में बागबानों को मौसमी व अमरुद की फसल बेचने के लिए मशक्कत न करनी पड़े। इसके लिए व्यापारियों से संपर्क किया जा रहा है, ताकि फ्रूट्स के व्यापारी बागीचों से ही फलों को उठा सकें। इसके लिए राष्ट्र स्तर के फ्रूटस व्यापारियों की एक बैठक उद्यान विभाग कार्यालय हमीरपुर में आयोजित की गई। इसमें मुंबई से बिग बास्केट के अधिकारी, दिल्ली आजाद पुरी मंडी से तीन व्यापारी और ऊना कृनिका फूड पार्क के मालिक व अधिकारी इत्यादि कई जगहों से फ्रूट्स के व्यापारी काफी संख्या में पहुंचे हुए थे। यही नहीं संबंधित बागबान भी व्यापारियों से ऑनलाइन जुड़े हुए थे, ताकि उन्हें भी पता चल सके कि जो फल वह खरीद रहे हैं। सबसे पहले राष्ट्र स्तर के फ्रूट्स व्यापारियों को बुलाकर बागबानों से सीधी बातें करवाई है। इस तरह की बैठकें जल्द ही फ्रूट्स व्यापारियों के साथ कांगड़ा, बिलासपुर, मंडी, सोलन, ऊना व सिरमौर जिला के बागबानों के साथ आगामी दिनों में करवाई जाएगी, ताकि बागबानों को तैयार हो रही फसल को बेचने में किसी तरह की परेशानी न झेलनी पड़े। (एचडीएम)

जिला में 35 कलस्टर कर रहे बागबानी पर काम

हमीरपुर जिला में एचपी शिवा प्रोजेक्ट के तहत बागबानों से अलग-अलग तरह की फसल तैयार करवाई जा रही है। जिला में 35 कलस्टरों में बागबान फलों का कारोबार कर रहे हैं। एक कलस्टर में दस से अधिक बागबानों की जमीन पर मौसमी व अमरुद इत्यादि की फसलें तैयार करवाई जा रही हैं, ताकि बागबानों को अपनी फसल बेचने में आसानी हो सके, क्योंकि व्यापारियों को भी एक जगह पर ही क्विंटलों के हिसाब से फल खरीदने को मिल जाएंगे।

> हमीरपुर जिला में तैयार हो रही मौसमी व अमरुद की फसल के लिए राष्ट्र स्तर के फ्रूट्स व्यापारियों के लिए एक बैठक उद्यान कार्यालय हमीरपुर में आयोजित की गई। जिसमें मुंबई, दिल्ली, ऊना इत्यादि से काफी संख्या में फ्रूट्स व्यापारियों ने भाग लिया, ताकि बागबानों की फसल खेतों से ही आम से बिक सके और उन्हें फसल के अछे दाम भी प्राप्त हो सकें
>
> राजेश्वर परमार, उपनिदेशक, उद्यान विभाग हमीरपुर

बागवानों ने खरीदारों को ऑनलाइन दिखाए उत्पाद

मुंबई से बिग बास्केट बाजार के खरीदार भी हुए शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

हमीरपुर। उद्यान विभाग हमीरपुर में वीरवार को क्रेता और विक्रेता बैठक का आयोजन उद्यान विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश्वर परमार की अध्यक्षता में किया गया।

इसमें एचपी शिवा प्रोजेक्ट के तहत बागवानी करने वाले बागवानों और खरीदारों को शामिल किया गया। एचपी शिवा प्रोजेक्ट के तहत वर्ष 2020 में जिन बागवानों ने फलदार पौधे लगाए थे, उनमें अब फल आ गए हैं। ऐसे में इन फलों को बेचने व बागवानों को इसकी उचित कीमत मिले और अच्छे खरीदार मिलें, इसके लिए बैठक करवाई गई। बैठक में एक खरीदार मुंबई, तीन दिल्ली, एक ऊना और चार स्थानीय खरीदारों ने ऑनलाइन भाग लिया। मुंबई से बिग बास्केट बाजार से, दिल्ली से आजादपुर मंडी से और ऊना से क्रेनिका फूड पार्क के मालिक ने इसमें ऑनलाइन भाग लिया। इन खरीदारों की बैठक बागवानों से करवाई गई। इन खरीदारों को

एचपी शिवा प्रोजेक्ट के तहत उगे फलों का निरीक्षण करते उपनिदेशक डॉ. राजेश्वर परमार। (स्रोत : विभाग)

ऑनलाइन ही पैदा किए फलों की गुणवत्ता व मात्रा दिखाई गई। बैठक में 110 बागवानों और 30 के करीब अधिकारियों ने भाग लिया। जिले में तीस स्थलों पर एचपी शिवा प्रोजेक्ट के तहत अमरूद व मौसमी के फल लगे हुए हैं। वहीं, एचपी शिवा प्रोजेक्ट के तहत हमीरपुर जिला पूरे प्रदेश में पहला ऐसा जिला बना है जिसमें ऐसी बैठक आयोजित की गई हैं। उद्यान विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश्वर परमार ने कहा कि क्रेता व विक्रेता बैठक का आयोजन उद्यान विभाग हमीरपुर में किया गया।